राज्यपाल सचिवालय
राज भवन, जयपुर

मध्य एवं पश्चिम क्षेत्र के राजभाषा सम्मेलन में बोले राज्यपाल श्री कल्याण सिंह

हिंदी में देश की संपर्क भाषा बनने के गुण

30 जनवरी 2017 को उदयपुर में मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के विवेकानन्द सभागार में आयोजित
मध्य एवं पश्चिम क्षेत्र के राजभाषा सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल श्री कल्याण सिंह

जयपुर, 30 जनवरी। राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सशक्त भाषा है। भारत की सभी भाषाओं की भावना समान होने से हिंदी देश की संपर्क भाषा बनने के गुण रखती है। इससे देश की एकता को और मजबूती मिलेगी। सोमवार को उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित मध्य एवं पश्चिम क्षेत्र के राजभाषा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए श्री सिंह ने यह बात कही।

केंद्रीय गृहमंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए श्री कल्याण सिंह ने कहा कि हमारे पास प्रतिभाओं एवं संसाधनों की कोई कमी नहीं है। इच्छा शक्ति एवं संकल्प के बल पर हम हिंदी को उसका उच्चतम स्थान दिला सकते हैं। हम इसे राष्ट्रीय कर्तव्य समझें और स्वप्रेरणा से हिंदी के विकास में लगे रहें। उन्होने समय के साथ हो रहे बदलावों के अनुसार ढलते हुए हिंदी को आधुनिक तकनीकी एवं विज्ञान से जोड़ने पर विचार करने पर जोर दिया।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि इससे न केवल भाषा का भला होगा बल्कि रोजगार से जुड़कर यह और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी। इजराइल, चीन आदि देशों के उदाहरण देते हुए उन्होने कहा कि इन देशों ने अपनी भाषाओं में कला, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान एवं तकनीकी के बल पर विकास के

नए आयाम हासिल किए हैं। श्री सिंह ने कहा कि भाषा को प्रभावी, सर्वव्यापी, उत्कृष्ट होने के लिए विज्ञान व तकनीक से जुड़ना आवश्यक है।

अपने संबोधन में राजभाषा विभाग के सचिव श्री प्रभाष कुमार झा ने कहा कि निकायों एवं विभिन्न राजकीय विभागों में हिंदी में कार्य संस्कृति विकसित करने हेतु महाराणा प्रताप व मीरा बाई से प्रेरणा लेनी चाहिए। राजस्थान सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजहंस उपाध्याय ने कहा कि अपनी भाषा को बढ़ावा देने के लिए दिल से प्रयास किए जाने चाहिए। इस अवसर पर बीएसएनएल के मुख्य प्रबंधक श्री रमेश चंद्र, भारतीय खान ब्यूरों के क्षेत्रीय निदेशक श्री योगेश गुलाब राव, राज्यपाल के विशेषाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने दोनों क्षेत्रों के विभिन्न कार्यालयों व कार्मिकों को राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित भी किया।